कोच बिहार पंचानन बर्मा विश्वविद्यालय

स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम (CBCS पर आधारित)

हिंदी

वर्ष 2020-2021 से प्रचलित

कुल क्रेडिट : 80

क्रेडिट प्रति सेमेस्टर: 20

कुल अंक : 1600 (चार सत्रों के लिए)

तथ्य विषयक पत्र : 1200 + धारावाहिक मूल्यांकन : 320 +

उपस्थिति : 80

COOCH BEHAR PANCHANAN BARMA UNIVERSITY

CBCS SYLLABUS FOR M.A IN HINDI

(W.E.F. SESSION: 2020-2021)

FIRST SEMESTER

Course No.	Name of Course		Marks			
		ESE	CE	A	TOTAL	Credit
PGHND CC-1-1	हिंदी साहित्य का इतिहास (आदिकाल से रीतिकाल तक)	75	20	5	100	5
PGHND CC-1-2	हिंदी भाषा का विकास	75	20	5	100	5
PGHND CC-1-3	प्राचीन एवं मध्यकालीन काव्य	75	20	5	100	5
PGHND CC-1-4	भारतीय काव्यशास्त्र	75	20	5	100	5

SECOND SEMESTER

Course No.	Name of Course		Marks			
		ESE	CE	A	TOTAL	Credit
PGHND CC-2-5	हिन्दी साहित्य का इतिहास (आधुनिक काल)	75	20	5	100	5
PGHND CC-2-6	भाषा विज्ञान	75	20	5	100	5
PGHND CC-2-7	छायावादी काव्य	75	20	5	100	5
PGHND CC-2-8	पाश्चात्य काव्यशास्त्र	75	20	5	100	5

THIRD SEMESTER

Course No.	Name of Course		Marks			
		ESE	CE	A	TOTAL	Credit
PGHND CC-3-9	उपन्यास एवं कहानी	75	20	5	100	5
PGHND CC-3-10	छायावादोत्तर काव्य	75	20	5	100	5
PGHND DCE-3-1	(क) कथेतर साहित्य (ख) अस्मितामूलक विमर्श और हिन्दी साहित्य (ग) समकालीन हिन्दी कविता (कोई एक)	75	20	5	100	5
PGHND GE-3-1	(क) प्रयोजनमूलक हिन्दी (ख) साहित्य और सिनेमा (कोई एक)	75	20	5	100	5

FOURTH SEMESTER

Course No.	Name of Course		Marks			
		ESE	CE	A	TOTAL	Credit
PGHND CC-4-11	नाटक एवं निबन्ध	75	20	5	100	5
PGHND CC-4-12	हिन्दी आलोचना	75	20	5	100	5
PGHND DCE-4-2	(क) आधुनिक भारतीय साहित्य (ख) स्वातंत्र्योत्तर कथा साहित्य (ग) तुलनात्मक साहित्य (कोई एक)	75	20	5	100	5
PGHND GE-4-2	(क) पत्रकारिता (ख) अनुवाद सिद्धान्त (कोई एक)	75	20	5	100	5

ESE: End of Examination; CE: Continuing Evaluation; A : Attendance; SRP : Small Research Project

सेमेस्टर : 1

(अनिवार्य बीज पत्र)

हिंदी साहित्य का इतिहास (आदिकाल से रीतिकाल तक)

पाठ्यक्रम संख्या :PGHND CC-1-1

इकाई : 1

- साहित्य का इतिहास दर्शन
- हिंदी साहित्य के इतिहास लेखन की परंपरा और पद्धतियाँ
- हिंदी साहित्य का काल विभाजन और नामकरण

इकाई : 2

- आदिकाल की सामाजिक, सांस्कृतिक और ऐतिहासिक पृष्ठभूमि
- आदिकाल की विशेषताएँ और साहित्यिक प्रवृत्तियाँ
- आदिकालीन विविध काव्यधाराएँ- रासो साहित्य, जैन साहित्य, सिद्ध और नाथ साहित्य
- आदिकालीन प्रमुख रचनाकार और उनकी रचनाएँ

इकाई : 3

- भक्तिकाल की सामाजिक, सांस्कृतिक और ऐतिहासिक पृष्ठभूमि
- भक्ति आन्दोलन के उदय के सामाजिक- सांस्कृतिक कारण तथा उसका अखिल भारतीय स्वरूप
- भक्ति काव्य की सामाजिक- सांस्कृतिक पृष्ठभूमि एवं उसके प्रमुख सम्प्रदाय
- भक्तिकाल की साहित्यिक प्रवृत्तियाँ तथा प्रमुख काव्यधाराएँ
- भक्तिकालीन प्रमुख कवि तथा उनका काव्य

इकाई : 4

- रीतिकाल की सामाजिक, सांस्कृतिक और ऐतिहासिक पृष्ठभूमि
- रीतिकालीन काव्य प्रवृत्तियाँ
- रीतिबद्ध, रीतिसिद्ध तथा रीतिमुक्त काव्यधारा की विशेषताएँ
- प्रमुख रीतिकालीन कवि और उनका काव्य

सहायक ग्रन्थ

1. हिंदी साहित्य का इतिहास, आचार्य रामचन्द्र शुक्ल, नागरी प्रचारिणी सभा, वाराणसी
2. हिंदी साहित्य की भूमिका, आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
3. हिंदी साहित्य का उद्भव और विकास, आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
4. हिंदी साहित्य का आदिकाल, आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
5. हिंदी साहित्य का इतिहास, सं.- डॉ. नगेन्द्र, मयूर प्रकाशन, दिल्ली
6. हिंदी साहित्य का वैज्ञानिक इतिहास, गणपति चन्द्र गुप्त, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
7. हिंदी साहित्य का आलोचनात्मक इतिहास, रामकुमार वर्मा, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
8. हिंदी साहित्य और संवेदना का विकास, रामस्वरूप चतुर्वेदी, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
9. हिंदी साहित्य का अतीत (भाग 1 एवं 2), विश्वनाथ प्रसाद मिश्र, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
10. हिंदी साहित्य का इतिहास दर्शन, नलिन विलोचन शर्मा, बिहार राष्ट्रभाषा परिषद् , पटना
11. कला का इतिहास दर्शन, अर्नाल्ड हाउजर, ग्रंथशिल्पी प्रकाशन, दिल्ली
12. साहित्य और इतिहास दृष्टि, मैनेजर पाण्डेय, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
13. नाथ सम्प्रदाय, आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
14. सिद्ध साहित्य, धर्मवीर भारती, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
15. भारतीय चिंतन परम्परा, के. दामोदरन, पीपुल्स पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली
16. भक्ति आन्दोलन और भक्ति काव्य, शिवकुमार मिश्र, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
17. रीतिकाव्य की भूमिका, डॉ. नगेन्द्र, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली
18. रीतिकाव्य,नंदकिशोर नवल, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
19. उत्तरी भारत की संत परम्परा, परशुराम चतुर्वेदी, लोकभारती प्रकाशन, इलाहबाद
20. भक्तिकाव्य यात्रा, रामस्वरूप चतुर्वेदी, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
21. हिंदी के विकास में अपभ्रंश का योग, नामवर सिंह, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
22. रीतिकालीन कवियों की प्रेम व्यंजना, बच्चन सिंह, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
23. बिहारी का नया मूल्यांकन, बच्चन सिंह, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
24. हिंदी रीति साहित्य, डॉ. भगीरथ मिश्र, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
25. मध्यकालीन हिंदी काव्यभाषा- रामस्वरूप चतुर्वेदी, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद

सेमेस्टर : 1

(अनिवार्य बीज पत्र)

हिंदी भाषा का विकास

पाठ्यक्रम संख्या : PGHND CC-1-2

इकाई : 1 हिंदी की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि:-

- प्राचीन भारतीय आर्य भाषाएँ, मध्यकालीन भारतीय आर्य भाषाएँ, आधुनिक भारतीय आर्य भाषाएँ और उनका वर्गीकरण
- शौरसेनी, अर्द्धमागधी, मागधी, अपभ्रंश और उनकी विशेषताएँ
- अपभ्रंश, अवहट्ठ और पुरानी हिंदी का संबंध

इकाई : 2 हिंदी का भौगोलिक विस्तार:

- हिंदी की उपभाषाएँ
- पश्चिमी हिंदी, पूर्वी हिंदी, राजस्थानी हिंदी, बिहारी हिंदी, पहाड़ी हिंदी और उनकी बोलियाँ
- हिंदी, उर्दू, दक्खिनी, हिन्दुस्तानी: विविधता और एकता

इकाई : 3 हिंदी के विविध रूप और उसकी संवैधानिक स्थिति

- संपर्क भाषा
- राष्ट्रभाषा
- संचार भाषा और हिंदी
- राजभाषा के रूप में हिंदी तथा उसकी संवैधानिक स्थिति

इकाई : 4 हिंदी का मानकीकरण

- हिंदी भाषा की समस्याएँ, समाधान तथा मानकीकरण

सहायक ग्रन्थ

1. हिंदी भाषा का उद्गम और विकास, उदयनारायण तिवारी, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
2. भारतीय आर्यभाषा और हिंदी, सुनीति कुमार चाटुर्ज्या, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली
3. मानक हिंदी का स्वरूप, कलानाथ शास्त्री, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
4. हिंदी, उर्दू और हिन्दुस्तानी, पद्म सिंह शर्मा, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
5. सरकारी कार्यालयों में हिंदी का प्रयोग, भोलानाथ श्रीवास्तव, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
6. हिंदी के विकास में अपभ्रंश का योग, नामवर सिंह, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
7. राष्ट्रभाषा हिंदी : समस्याएँ और समाधान, देवेन्द्रनाथ शर्मा, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
8. साहित्य का भाषिक चिंतन, रवीन्द्रनाथ श्रीवास्तव, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
9. राजभाषा और हिंदी, भोलानाथ तिवारी प्रभात प्रकाशन, दिल्ली
10. भाषा का समाजशास्त्र, राजेन्द्र प्रसाद सिंह, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
11. संचार भाषा हिंदी, सूर्य प्रसाद दीक्षित, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
12. भाषा विज्ञान: हिंदी भाषा और लिपि, रामकिशोर शर्मा, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
13. भारत की भाषा समस्या, रामविलास शर्मा, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
14. भाषा और समाज, रामविलास शर्मा, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
15. सरकारी कार्यालयों में हिंदी का प्रयोग, गोपीनाथ श्रीवास्तव, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
16. हिंदी भाषा का इतिहास, भोलानाथ तिवारी, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
17. हिंदी भाषा: पहचान से प्रतिष्ठा तक, हनुमान प्रसाद शुक्ल, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
18. हिंदी भाषा, डॉ. हरदेव बाहरी, अभिव्यक्ति प्रकाशन, दिल्ली

सेमेस्टर : 1

(अनिवार्य बीज पत्र)

प्राचीन एवं मध्यकालीन काव्य

पाठ्यक्रम संख्या : PGHND CC-1-3

इकाई : 1

संदेश रासक- अब्दुर्रहमान सं.- हजारी प्रसाद द्विवेदी, विश्वनाथ त्रिपाठी

- प्रथम प्रकरण

विद्यापति पदावली(सं०)- रामवृक्ष बेनीपुरी

- पद संख्या- 1, 2, 3, 9, 35, 77, 81, 110, 114, 135, 140, 176, 188, 199, 206

इकाई : 2 कबीर ग्रंथावली (सं०)- श्यामसुन्दर दास

- पद- 10 साखी- 20
- पद संख्या – 1, 2, 11, 16, 21, 24, 27, 29, 43, 156
- गुरुदेव को अंग- 1, 3, 4, 10, 11, 12, 13,
- विरह को अंग – 2, 6, 10, 12, 14
- परचा को अंग- 3, 4, 7, 10, 16,
- सांच को अंग -5, 15, 17

जायसी-पद्मावत (सं०) - आचार्य रामचंद्र शुक्ल

- नागमती वियोग खण्ड -वर्णन

भ्रमरगीत सार – (सं०) आचार्य रामचंद्र शुक्ल

- पद संख्या 31 -50

तुलसीदास

- श्रीरामचरितमानस (अयोध्या काण्ड), गीता प्रेस गोरखपुर

मीरा

- मीरा के पद(सं०)- विश्वनाथ त्रिपाठी
  पद संख्या-1-20

इकाई : 3

- बिहारी – बिहारी रत्नाकर (सं०)- जगन्नाथदास रत्नाकर
  दोहे- 1-50

- घनानंद – घनानंद कवित्त : (सं०)- विश्वनाथ प्रसाद मिश्र
  पद संख्या 1-20

सहायक ग्रन्थ

1. विद्यापति पदावली, संपा. रामवृक्ष बेनीपुरी, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
2. संदेश रासक, अब्दुर्रहमान, सं.- हजारी प्रसाद द्विवेदी, विश्वनाथ त्रिपाठी, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
2. कबीर, हजारी प्रसाद द्विवेदी, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
3. सूरदास, रामचंद्र शुक्ल, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
4. सूरदास, नंदकिशोर नवल, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
5. महाकवि सूरदास, हजारी प्रसाद द्विवेदी, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
6. कबीर मीमांसा, रामचंद्र तिवारी, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
7. अकथ कहानी प्रेम की, पुरुषोत्तम अग्रवाल, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
8. सूर और तुलसी, नन्द दुलारे वाजपेयी, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली
9. लोकवादी तुलसीदास, विश्वनाथ त्रिपाठी, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली
10. विद्यापति, शिवप्रसाद सिंह, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली
11. तुलसी के हिय हेरि, विष्णुकांत शास्त्री, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली
12. मीरा और मीरा, महादेवी, वर्मा, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली
13. तुलसी आधुनिक वातायन से, रमेश कुंतल मेघ, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली
14. तुलसी : एक पुनर्मूल्यांकन, (सं०),अजय तिवारी, आधार प्रकाशन, पंचकुला

15. मीरा का काव्य, डॉ. विश्वनाथ त्रिपाठी, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली
16. मीरा : एक पुनर्मूल्याकन, (सं०) पल्लव, आधार प्रकाशन
17. कबीर ग्रंथावली, संपा. श्यामसुंदर दास, नागरी प्रचारिणी सभा, काशी
18. श्रीरामचरितमानस, तुलसीदास, गीताप्रेस, गोरखपुर
19. सूफीमत साधना और साहित्य, रामपूजन तिवारी, ज्ञानमंडल लिमिटेड, वाराणसी
20. जायसी का पद्मावत, गोविन्द त्रिगुणायत, अशोक प्रकाशन, दिल्ली
21. जायसी एक नई दृष्टि, डॉ. रघुवंश, लोकभारती प्रकाशन, दिल्ली
22. हिंदी सूफी काव्य का समग्र अनुशीलन, शिव सहाय पाठक, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली
23. गोस्वामी तुलसीदास, रामचंद्र शुक्ल, नागरी प्रचारिणी सभा, काशी
24. भक्ति आन्दोलन और सूरदास का काव्य, मैनेजर पाण्डेय, वाणी प्रकाशन, दिल्ली
25. कबीर की विचारधारा, गोविन्द त्रिगुणायत, साहित्य निकेतन, बरेली
26. आलोचना का नया पाठ, गोपेश्वर सिंह, किताबघर, प्रकाशन दिल्ली
26. भ्रमरगीत सार, संपा. आचार्य रामचंद्र शुक्ल, वाणी प्रकाशन, दिल्ली
27. रीतिकालीन कवियों की प्रेम व्यंजना, बच्चन सिंह, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
28. बिहारी का नया मूल्यांकन, बच्चन सिंह, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
29. हिंदी रीति साहित्य, डॉ. भगीरथ मिश्र, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
30. मध्यकालीन काव्य भाषा, रामस्वरूप चतुर्वेदी, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
31. घनानंद का काव्य, रामदेव शुक्ल, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद

सेमेस्टर : 1

(अनिवार्य बीज पत्र)

भारतीय काव्यशास्त्र

पाठ्यक्रम संख्या:CC-1-4

इकाई : 1

- काव्य लक्षण
- काव्य हेतु
- काव्य प्रयोजन

इकाई : 2

- रस-सिद्धांत
- अलंकार -सिद्धांत
- रीति -सिद्धांत

इकाई : 3

- वक्रोक्ति-सिद्धांत
- ध्वनि-सिद्धांत
- औचित्य-सिद्धांत

इकाई : 4

- हिंदी के कवि-आचार्यों का काव्यशास्त्रीय चिंतन।

सहायक ग्रन्थ

1.भारतीय एवं पाश्चात्य काव्य सिद्धांत, गणपतिचंद्र गुप्त, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली

2.भारतीय एवं पाश्चात्य काव्यशात्र की रूपरेखा, गणपतिचंद्र गुप्त, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली

3 .काव्यशात्र, डॉ.भगीरथ मिश्र, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी

4 .भारतीय काव्यशास्त्र, योगेन्द्र प्रताप सिंह, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली

5. भारतीय काव्यशात्र, तारकनाथ बाली, वाणी प्रकाशन, दिल्ली

6. भारतीय एवं पाश्चात्य काव्यशास्त्र, सत्यदेव चौधरी एवं

7.भारतीय आलोचना शास्त्र, डॉ. राजवंश सहाय 'हीरा', बिहार राष्ट्रभाषा परिषद, पटना

8. रस सिद्धांत का पुनर्विवेचन, गणपतिचंद्र गुप्त, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली

9.काव्य के तत्त्व, देवेन्द्रनाथ शर्मा, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद

10. भारतीय एवं पाश्चात्य काव्यशास्त्र की रूपरेखा, रामचंद्र तिवारी, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद

11.भारतीय काव्यशात्र, निशा अग्रवाल, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद

12. भारतीय काव्यशास्त्र के नये क्षितिज, राममूर्ति त्रिपाठी, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली

सेमेस्टर : 2

(अनिवार्य बीज पत्र)

हिंदी साहित्य का इतिहास (आधुनिक काल)

पाठ्यक्रम संख्या- PGHND CC-2- 5

इकाई : 1

- आधुनिकता: अवधारणा, अभ्युदय और विकास
- नवजागरण की अवधारणा, भारतीय नवजागरण का स्वरूप और उसकी विशेषताएँ
- 1857 की क्रांति और उसका प्रभाव
- हिंदी नवजागरण और उसके प्रमुख स्तम्भ

इकाई : 2

- भारतेन्दु युग- प्रमुख रचनाकार, रचनाएँ, साहित्यिक विशेषताएँ तथा उपलब्धियाँ
- द्विवेदी युग- प्रमुख रचनाकार, रचनाएँ, साहित्यिक विशेषताएँ तथा उपलब्धियाँ
- स्वच्छंदतावादी काव्य चेतना और राष्ट्रीय काव्यधारा विकास
- छायावादी काव्य की प्रमुख विशेषताएँ, छायावाद के प्रमुख कवि और उनका काव्य

इकाई : 3

- प्रगतिवादी काव्य की प्रमुख प्रवृत्तियाँ, प्रगतिवाद के प्रमुख कवि और उनका काव्य
- प्रयोगवाद की अवधारणा, प्रयोगवादी काव्य की प्रमुख प्रवृत्तियाँ, प्रमुख प्रयोगवादी कवि और उनका काव्य
- स्वातंत्र्योत्तर हिंदी कविता की विविध काव्यधाराओं (नयी कविता, अकविता, साठोत्तरी कविता, समकालीन कविता आदि) की प्रमुख प्रवृत्तियाँ, प्रमुख कवि और उनका काव्य

इकाई : 4

- हिंदी कहानी का उद्भव और विकास
- हिंदी उपन्यास का उद्भव और विकास
- हिंदी आलोचना का उद्भव और विकास
- हिंदी नाटक का उद्भव और विकास
- हिंदी निबन्ध का उद्भव और विकास
- हिंदी की अन्य गद्य विधाओं- आत्मकथा, जीवनी, संस्मरण, रेखाचित्र, यात्रा- वृत्तान्त आदि का परिचय
- हिंदी की साहित्यिक पत्रकारिता का उद्भव और विकास

सहायक ग्रन्थ

1.हिंदी साहित्य का इतिहास, आचार्य रामचन्द्र शुक्ल, नागरी प्रचारिणी सभा, वाराणसी

2,हिंदी साहित्य की भूमिका, आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली

3.हिंदी साहित्य का उद्भव और विकास, आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली

4. हिंदी साहित्य का सरल इतिहास, विश्वनाथ त्रिपाठी, ओरिएंट ब्लैकस्वान, दिल्ली

5.हिंदी साहित्य का इतिहास, सं.- डॉ. नगेन्द्र, मयूर प्रकाशन, दिल्ली

6.हिंदी साहित्य का वैज्ञानिक इतिहास, गणपति चन्द्र गुप्त, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद

7.हिंदी साहित्य का आलोचनात्मक इतिहास, रामकुमार वर्मा, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद

8.हिंदी साहित्य और संवेदना का विकास, रामस्वरूप चतुर्वेदी, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद

9.हिंदी साहित्य: बीसवीं शताब्दी, नन्द दुलारे वाजपेयी, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद

10.हिंदी साहित्य का दूसरा इतिहास, बच्चन सिंह, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली

11.छायावाद, नामवर सिंह, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली

12.मार्क्सवाद और प्रगतिशील साहित्य, रामविलास शर्मा, नामवर सिंह, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली

13.हिंदी आलोचना, विश्वनाथ त्रिपाठी, नामवर सिंह, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली

14.आधुनिक हिंदी आलोचना के बीजशब्द, बच्चन सिंह, वाणी प्रकाशन, दिल्ली

15.आधुनिक साहित्य की प्रवृत्तियाँ, नामवर सिंह, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली

16.हिंदी साहित्य का आधा इतिहास, सुमन राजे, भारतीय ज्ञानपीठ, दिल्ली

17.हिंदी साहित्य का सबाल्टर्न इतिहास, राजेन्द्र प्रसाद सिंह, गौतम बुक सेंटर, दिल्ली

18.आधुनिक साहित्य और इतिहासबोध, नित्यानंद तिवारी, वाणी प्रकाशन, दिल्ली

19.हिंदी का गद्य साहित्य, रामचंद्र तिवारी, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी

20.हिंदी कहानी का विकास, मधुरेश, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद

21.हिंदी उपन्यास का विकास, मधुरेश, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद

22.हिंदी आलोचना का विकास, मधुरेश, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद

23.हिंदी नाटक का आत्मसंघर्ष, गिरीश रस्तोगी, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद

24.गद्य की पहचान, अरुण प्रकाश, अंतिका प्रकाशन, गाजियाबाद

25.हिंदी साहित्य का आधुनिक काल (नव्यतर गद्य विधाएँ), प्रो. हरिमोहन, हरियाणा साहित्य अकादमी, पंचकुला

26. समकालीन हिंदी कविता, ए. अरविंदाक्षन, राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली

सेमेस्टर : 2

(अनिवार्य बीज पत्र)

भाषा विज्ञान

पाठ्यक्रम संख्या : PGHND CC-2-6

इकाई : 1

- भाषा की परिभाषा और अभिलक्षण
- भाषा विज्ञान –स्वरूप एवं व्याप्ति
- भाषा विज्ञान के अध्ययन की दिशाएँ – वर्णनात्मक, ऐतिहासिक और तुलनात्मक.

इकाई : 2

- स्वन विज्ञान का स्वरूप एवं शाखाएं
- स्वन की अवधारणा और स्वनों का वर्गीकरण
- स्वनिम परिवर्तन, स्वनिम विज्ञान का स्वरूप और स्वनिम के भेद.

इकाई : 3

- रुपिम की अवधारणा और भेद
- वाक्य की अवधारणा और भेद
- वाक्य परिवर्तन के कारण और दिशाएँ

इकाई : 4

- अर्थ की अवधारणा और उसका महत्त्व
- अर्थ परिवर्तन के कारण तथा अर्थ परिवर्तन की दिशाएँ
- शब्द और अर्थ का संबंध.

सहायक ग्रन्थ

1. भाषा विज्ञान एवं भाषा शास्त्र, डॉ. कपिलदेव द्विवेदी, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी
2. भाषा और समाज, रामविलास शर्मा, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
3. भाषा विज्ञान, डॉ. भोलानाथ तिवारी, किताब महल पब्लिशर्स, दिल्ली
4. भाषाविज्ञान की भूमिका, देवेंद्रनाथ शर्मा, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
5. भाषा और चिंतन, हेमचन्द्र पांडे, तक्षशिला प्रकाशन, नई दिल्ली
6. भाषा विज्ञान: हिंदी भाषा और लिपि, रामकिशोर शर्मा, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
7. भाषाविज्ञान: सैद्धांतिक चिंतन, रवीन्द्रनाथ श्रीवास्तव, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
8. अद्यतन भाषा विज्ञान, पाण्डेय शशिभूषण शीतांशु, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
9. भाषाविज्ञान के सिद्धांत और हिंदी भाषा, द्वारिका प्रसाद सक्सेना, मीनाक्षी प्रकाशन, मेरठ

सेमेस्टर : 2

(अनिवार्य बीज पत्र)

छायावादी काव्य

पाठ्यक्रम संख्या : PGHND CC-2-7

इकाई : 1 जयशंकर प्रसाद- कामायनी (चिंता,आशा और श्रद्धा सर्ग)

इकाई : 2 सुमित्रानंदन पन्त- परिवर्तन, नौका-विहार, हिमाद्रि, आ: धरती कितना देती है.

इकाई : 3 सूर्यकांत त्रिपाठी 'निराला'- राम की शक्तिपूजा, सरोज स्मृति

इकाई : 4 महादेवी वर्मा- बसंत, मधुर-मधुर मेरे दीपक जल, विरह का जलजात, तुम मुझमें प्रिय

सहायक ग्रन्थ

1. कामायनी : मूल पाठ एवं टीका, विश्वम्भर मानव, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
2. कामायनी लोचन (खंड 1 एवं 2), उदयभानु सिंह, राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली
3. प्रसाद, निराला, पन्त और महादेवी वर्मा की श्रेष्ठ रचनाएँ, (सं०) वाचस्पति पाठक, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
4. प्रसाद निराला अज्ञेय, रामस्वरूप चतुर्वेदी, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
5. प्रसाद का काव्य, डॉ. प्रेमशंकर, राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली
6. राम की शक्तिपूजा: निराला की कालजयी कृति, डॉ. नगेन्द्र, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, नई दिल्ली
7. कामायनी : एक पुनर्विचार, गजानन माधव मुक्तिबोध, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली
8. छायावाद, नामवर सिंह, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली
9. पन्त और पल्लव, सूर्यकांत त्रिपाठी निराला, गंगा पुस्तकमाला
10. सुमित्रानंदन पंत, डॉ, नगेन्द्र, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, नई दिल्ली
11. महादेवी, परमानंद श्रीवास्तव, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
12. महादेवी, दूधनाथ सिंह, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली
13. निराला, रामविलास शर्मा, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली
14. निराला की साहित्य साधना, रामविलास शर्मा, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली
15. निराला और मुक्तिबोध: चार लम्बी कविताएँ, नंदकिशोर नवल, राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली
16. सुमित्रानंदन पन्त, कृष्णदत्त पालीवाल, साहित्य आकदमी, इलाहबाद
17. निराला : आत्महंता आस्था,दूधनाथ सिंह, लोकभारती प्रकाशन,इलाहाबाद
18. निराला की कविताएँ और काव्य भाषा, रेखा खरे, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद

सेमेस्टर : 2

(अनिवार्य बीज पत्र)

पाश्चात्य काव्यशात्र

पाठ्यक्रम संख्या : PGHND CC-2-8

इकाई : 1

- प्लेटो- काव्य सिद्धांत ।
- अरस्तु –अनुकरण सिद्धांत, विरेचन सिद्धांत, त्रासदी सिद्धांत
- लोंजाइनस- उदात्त की अवधारणा।

इकाई : 2

- वर्डसवर्थ- काव्य भाषा का सिद्धांत
- कॉलरिज- कल्पना का सिद्धांत और रम्य कल्पना।
- टी.एस. इलियट- परम्परा की अवधारणा, वस्तुनिष्ठ सहसम्बन्ध का सिद्धांत तथा निर्वैयक्तिकता का सिद्धांत।

इकाई : 3

- आई. ए. रिचर्ड्स- मूल्य और सम्प्रेषण का सिद्धांत
- वाद और सिद्धांत- शास्त्रवाद, नव शास्त्रवाद, आभिजात्यवाद, स्वच्छन्दतावाद अभिव्यंजनावाद, मार्क्सवाद,नई समीक्षा, विखंडनवाद, संरचनावाद, यथार्थवाद, मनोविश्लेषणवाद तथा अस्तित्ववाद।

सहायक ग्रन्थ

1.पाश्चात्य काव्यशास्त्र : नई प्रवृति, राजनाथ, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली

2.पाश्चात्य काव्य शास्त्र: अधुनातन सन्दर्भ, सत्यदेव मिश्र, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली

3.पाश्चात्य काव्य चिंतन, करुणाशंकर उपाध्याय, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली

4. भारतीय एवं पाश्चात्य काव्य सिद्धांत, गणपतिचन्द्रगुप्त, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली

5.भारतीय एवं पाश्चात्य काव्यशात्र की रूपरेखा, गणपतिचंद्रगुप्त, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली

6.पाश्चात्य काव्यशास्त्र, देवेन्द्रनाथ शर्मा, मयूर पेपरबैक्स, दिल्ली

7.पाश्चात्य साहित्य चिंतन, निर्मला जैन, राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली

8.पाश्चात्य काव्यशास्त्र, विजय बहादुर सिंह, प्रकाशन संस्थान, दिल्ली

9.पाश्चात्य काव्यशास्त्र:इतिहास, सिद्धांत और वाद, डॉ. भागीरथ मिश्र, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी,

10.पाश्चात्य काव्यशात्र, डॉ. तारकनाथ बाली, वाणी प्रकाशन, दिल्ली

सेमेस्टर : 3

उपन्यास एवं कहानी

पाठ्यक्रम संख्या : PGHND CC-3-9

इकाई : 1

- गोदान – प्रेमचंद
- मैला आँचल – फणीश्वरनाथ रेणु

इकाई : 2

- शेखर एक जीवनी – अज्ञेय
- जिंदगीनामा – कृष्णा सोबती

इकाई : 3

कहानियाँ –

- दुलाईवाली – राजेन्द्र बाला घोष (बंगमहिला)
- कफ़न – प्रेमचंद
- कहानी का प्लाट- शिवपूजन सहाय
- रसप्रिया – फणीश्वरनाथ रेणु
- आकाशदीप – जयशंकर प्रसाद
- रोज़ – अज्ञेय
- सूखा– निर्मल वर्मा
- चीफ़ की दावत- भीष्म साहनी
- यही सच है – मन्नू भंडारी
- बदबू – शेखर जोशी

सहायक ग्रन्थ

1. उपन्यास : स्वरूप और संवेदना, राजेन्द्र यादव , राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
2. आधुनिकता और हिंदी उपन्यास, इंद्रनाथ मदान, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
3. हिंदी उपन्यास का विकास : मधुरेश, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
4. प्रेमचंद, रामविलास शर्मा, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
5. प्रेमचंद के आयाम , ए. अरविंदाक्षन, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
6. प्रेमचंद: एक विवेचन ,इन्द्रनाथ मदान, राधाकृष्ण, प्रकाशन, नई दिल्ली
7. गोदान, राजेश्वर गुरु, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
8. प्रेमचंद: एक साहित्यिक विवेचन , नन्ददुलारे वाजपेयी, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
9. प्रेमचंद और भारतीय समाज, नामवर सिंह ,राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
10. उपन्यास का काव्यशास्त्र , बच्चन सिंह, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ल
11. अज्ञेय की उपन्यास-यात्रा, ए. अरविंदाक्षन, राजकमल, प्रकाशन, नई दिल्ली
12. अज्ञेय के उद्धरण (सं०) नन्द किशोर आचार्य , राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
13. अज्ञेय : कुछ रंग, कुछ राग – श्रीलाल शुक्ल , राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
14. आज की कहानी , विजयमोहन सिंह, राधाकृष्ण, प्रकाशन, नई दिल्ली
15. हिंदी कहानी का विकास : मधुरेश, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
16. कथा समय ,विजयमोहन सिंह, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
17. कहानी : नयी कहानी, नामवर सिंह, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
18. अठारह उपन्यास, राजेन्द्र यादव राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
19. हिंदी उपन्यास का इतिहास , गोपाल राय, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
20. हिंदी कहानी का इतिहास, गोपाल राय, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
21. कहानी: वस्तु और अंतर्वस्तु, शम्भु गुप्त, लोकभारती प्रकाशन, नई दिल्ली
22. हिंदी कहानी प्रक्रिया और पाठ – सुरेन्द्र चौधरी

सेमेस्टर : 3

छायावादोत्तर काव्य

पाठ्यक्रम संख्या : PGHND CC- 3-10

इकाई : 1

- **नागार्जुन** – कल्पना के पुत्र हे भगवान्, वह दन्तुरित मुस्कान, बादल को घिरते देखा है, प्रेत का बयान, अकाल और उसके बाद.
- **अज्ञेय-** हरी घास पर क्षण भर, यह दीप अकेला, शब्द और सत्य, सबेरे उठा तो, मैंने देखा एक बूंद.

इकाई : 2

- **भवानी प्रसाद मिश्र-**गीत फरोश, सतपुड़ा के जंगल, सन्नाटा, बुनी हुई रस्सी, कमल के फूल
- **शमशेर बहादुर सिंह-** एक पीली शाम, बात बोलेगी, सागर-तट, उषा, चुका भी हूँ मैं नहीं

इकाई : 3

- **मुक्तिबोध** – अँधेरे में
- **रघुवीर सहाय-** रामदास, मेरा प्रतिनीधि, पढ़िए गीता, हंसो हंसो जल्दी हंसो, बसंत आया .

सहायक ग्रन्थ

1. चाँद का मुंह टेढ़ा है, गजानन माधव मुक्तिबोध, भारतीय ज्ञानपीठ, दिल्ली
2. मुक्तिबोध समग्र (आठ खण्ड), नेमिचन्द्र जैन, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली
3. अज्ञेय आलोचना संचयन, (सं०), ओम निश्चल, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
4. प्रतिनिधि कविताएँ, शमशेर बहादुर सिंह, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
5. प्रतिनिधि कविताएँ, नागार्जुन, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
6. प्रतिनिधि कविताएँ, अज्ञेय, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
7. प्रतिनिधि कविताएँ, रघुवीर सहाय, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
8. कविता के नये प्रतिमान, नामवर सिंह, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली

9. नई कविता और अस्तित्त्ववाद, रामविलास शर्मा, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
10. रघुवीर सहाय संचयिता, (सं०), कृष्णकुमार, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
11. भवानी प्रसाद संचयिता (सं०), प्रभात त्रिपाठी, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
12. नागार्जुन की कविता, अजय तिवारी, वाणी प्रकाशन, दिल्ली
13. नागार्जुन:अन्तरंग और सृजन कर्म, सं- मुरली मनोहर प्रसाद सिंह, चंचल चौहान, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
14. नागार्जुन और उनकी कविता, नंदकिशोर नवल, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
15. कवि अज्ञेय, नंदकिशोर नवल, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
16. अज्ञेय: स्वातंत्र्य की खोज, कृष्णदत्त पालीवाल, प्रभात प्रकाशन, दिल्ली
17. अज्ञेय, कृष्णदत्त पालीवाल, पब्लिकेशन डिविजन, दिल्ली
18. निराला और मुक्तिबोध: चार लम्बी कविताएँ, नंदकिशोर नवल, राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली
19. एक शमशेर भी है, सं- दूधनाथ सिंह, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
20. रघुवीर सहाय, पंकज चतुर्वेदी, साहित्य अकादमी, दिल्ली
21. मुक्तिबोध: स्वप्न और संघर्ष, कृष्णमोहन, अनामिका प्रकाशन, इलाहाबाद
22. शमशेर बहादुर की आलोचना दृष्टि, निर्भय कुमार, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
23. शताब्दी के अंत में कविता, मुक्तेश्वरनाथ तिवारी, साहित्य निकेतन, कानपुर

सेमेस्टर : 3

(क) कथेतर साहित्य

पाठ्यक्रम संख्या : PGHND DCE-3-1

इकाई : 1 आवारा मसीहा (जीवनी)- विष्णु प्रभाकर

इकाई : 2 स्मृति की रेखाएं (रेखाचित्र)- महादेवी वर्मा

इकाई : 3 यात्रा साहित्य राहुल सांकृत्यायन –

- इरान में
- शान्तिनिकेतन में
- किन्नर देश में
- इंग्लैण्ड में
- लेनिन-ग्राद में

इकाई : 4 मुर्दहिया (आत्मकथा) – डॉ. तुलसी राम

सहायक ग्रन्थ

1. राहुल वांग्मय (सं०) कमला सांकृत्यायन, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली

2. मेरी जीवनयात्रा, राहुल सांकृत्यायन, राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली

3. आवारा मसीहा, विष्णु प्रभाकर, राजपाल एण्ड संस, दिल्ली

4. स्मृति की रेखाएं, महादेवी वर्मा, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद

5. मुर्दहिया, डॉ. तुलसी राम, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली

6. गद्य की पहचान, अरुण प्रकाश, अंतिका प्रकाशन, गाजियाबाद

7. आत्मकथा की संस्कृति, पंकज चतुर्वेदी, वाणी प्रकाशन, दिल्ली

8. महादेवी, दूधनाथ सिंह,राजकमल प्रकाशन, दिल्ली

9. महादेवी के साहित्य का गद्य पर्व, मुक्तेश्वर नाथ तिवारी, अमन प्रकाशन, कानपुर

सेमेस्टर : 3

(ख) अस्मितामूलक विमर्श और हिंदी साहित्य

पाठ्यक्रम संख्या : PGHND DCE-3-1

इकाई :1 अस्मितामूलक विमर्श: चिंतन और आन्दोलन

(क) भारतीय दलित आन्दोलन का इतिहास, वैचारिकी तथा प्रमुख दलित चिंतक

(ख) स्त्री आन्दोलन का इतिहास, वैचारिकी एवं प्रमुख स्त्री चिंतक

(ग) आदिवासी विमर्श-अवधारणा, आन्दोलन और विचारधारा।

इकाई : 2 विमर्शमूलक कथा साहित्य :-

(क) छप्पर – जयप्रकाश कर्दम (उपन्यास)
(ख) कर्ज - मोहनदास नैमिशराय
(ग) बहू जुठाई – रमणिका गुप्ता
(घ) भंवर – रोज केरकेट्टा

इकाई : 3 विमर्शमूलक कविता

(क) **दलित कविता** :-सुनो ब्राह्मण- मलखान सिंह, ठाकुर का कुआं- ओमप्रकाश वाल्मीकि षड्यंत्र- सूरजपाल चौहान, चुनौती- डॉ सी बी भारती
(ख़) **स्त्री कविता**:- जाल, बैठी हैं औरतें विलाप में - सविता सिंह, स्त्रियाँ, दरवाजा- अनामिका.
(ग) **आदिवासी कविता** :- अघोषित उलगुलान, यह पलाश के फूलने का समय है - अनुज लुगुन, नदी और लाल पानी, प्रकृति और स्त्री- जसिंता केरकेट्टा

इकाई : 4 विमर्शमूलक अन्य गद्य विधाएँ

(क) शृंखला की कड़ियाँ- महादेवी वर्मा
(ख) मेरा बचपन मेरे कन्धों पर- श्यौराज सिंह बेचैन
(ग) गुड़िया भीतर गुड़िया – मैत्रेयी पुष्पा
(घ) ओमप्रकाश वाल्मीकि – जूठन (भाग-1)

सहायक ग्रन्थ

1.महात्मा ज्योतिबा फुले, सं एल जी मेश्राम 'विमलकीर्ति', राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली

2.अम्बेडकर संचयन, रामजी यादव, सामयिक प्रकाशन, दिल्ली

3.दलित साहित्य का समाजशास्त्र, हरिनारायण ठाकुर, भारतीय ज्ञानपीठ, दिल्ली

4.दलित साहित्य एक अंतर्यात्रा, बजरंग बिहारी तिवारी, नवारूण प्रकाशन, दिल्ली

5.दलित साहित्य का सौन्दर्यशास्त्र, ओमप्रकाश वाल्मीकि, राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली

6.अपना कमरा, वर्जीनिया वुल्फ़, वाणी प्रकाशन, दिल्ली

7.स्त्री संघर्ष का इतिहास, राधा कुमार, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली

8.स्त्री उपेक्षिता (द सेकण्ड सेक्स – सिमोन द बोउवा), प्रभा खेतान, हिन्द पॉकेट बुक्स, दिल्ली

9.बधिया स्त्री, जर्मन ग्रीयर, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली

10.स्त्री अध्ययन की बुनियाद, प्रमीला के पी, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली

11.आदमी की निगाह में औरत, राजेन्द्र यादव, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली.

12.आदिवासी साहित्य विमर्श, सं - गंगा सहाय मीणा, अनामिका पब्लिशर्स, दिल्ली

13.आदिवासी विमर्श : अवधारणा और आन्दोलन, कुमार कमलेश, तेज प्रकाशन, दिल्ली

14.आदिवासी साहित्य यात्रा, सं- रमणिका गुप्ता, राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली.

15.आदिवासी विमर्श, सं- वी कृष्ण एवं भीम सिंह, स्वराज प्रकाशन, दिल्ली

सेमेस्टर : 3

(ग) समकालीन हिंदी कविता

पाठ्यक्रम संख्या : PGHND DCE-3-1

इकाई : 1

- कुंवरनारायण- अबकी अगर लौटा तो, बात सीधी थी पर , अयोध्या 1992, घबरा कर
- धूमिल- पटकथा, प्रौढ़ शिक्षा
- केदारनाथ सिंह- बनारस, भिखारी ठाकुर, मातृभाषा

इकाई : 2

- विनोद कुमार शुक्ल- जो मेरे घर कभी नहीं आयेंगे, जितने सभ्य होते हैं, हताशा से एक व्यक्ति बैठ गया था
- आलोक धन्वा – सफ़ेद रात, ब्रूनों की बेटियाँ,
- असद जैदी- बहनें, सामान की तलाश

इकाई : 3

- कात्यायनी- नई इबारत के बारे में, शिनाख्त
- अनामिका-बरसात का मतलब है, मैं राह बना रहा हूँ

सहायक ग्रन्थ

1. समकालीन कविता की भूमिका, जीवन प्रकाश जोशी, भारती भाषा प्रकाशन, नई दिल्ली, संस्करण 1978

2. समकालीन साहित्य एक नई दृष्टि, इन्द्रनाथ मदान, लिपि प्रकाशन, नई दिल्ली, संस्करण 1977

3. समकालीन कविता के व्याकरण, परमानंद श्रीवास्तव, शुभदा प्रकाशन, नई दिल्ली, संस्करण, 1980

4. समकालीन कविता के संपर्क, देवेन्द्र कुमार, प्रकाशन संस्थान, नई दिल्ली, संस्करण 1989

5. समकालीन कविता इतिहास बोध, राजेश कुमार, प्रकाशन संस्थान, नई दिल्ली, संस्करण 1989

6. समकालीन कविता पर एक बहस, नंदकिशोर नवल, अनुपम प्रकाशन, पटना, संस्करण 1993

7.समकालीन कविता पर एक बहस, जगदीश नारायण श्रीवास्तव, चित्रलेखा प्रकाशन, इलाहाबाद, संस्करण 1978

8. समकालीन हिंदी कविता, विश्वनाथप्रसाद, तिवारी, लोकभारती प्रकाशन,इलाहाबाद, संस्करण 1982

9. समकालीन हिंदी साहित्य (सं0),श्रीराम शर्मा, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली, संस्करण 2009

10. समकालीन साहित्य एक उत्तर पाठ, लक्ष्मणदत्त गौतम, स्वराज प्रकाशन, संस्करण 2008

11.समकालीन कविता के आयाम (सं0), पी० रवि, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद, संस्करण 2013

12.समकालीन हिंदी कविता समय और समाज, इरशाद कामिल, पंचकुला प्रकाशन, हरियाणा, संस्करण 2011

13. समकालीन कविता: इतिहासबोध, राजेश कुमार प्रकाशन संस्थान, नई दिल्ली, संस्करण 2002

14.समकालीन हिंदी कविता : एक सामाजिक मूल्य, रविन्द्रनाथ दरमन, राजेश प्रकाशन, नई दिल्ली, संस्करण 1984

15.समकालीन कवि: दृष्टि और बोध, रतनकुमार पाण्डेय, अनंग प्रकाशन, नई दिल्ली, संस्करण 2002

16.समकालीन कवि और काव्य, कल्याणचन्द्र, चिंतन प्रकाशन, कानपुर, संस्करण 1996

17.समकालीन प्रतिनिधि कवि, अनंतकीर्ति तिवारी, साहित्य रत्नालय, कानपुर, संस्करण 1993

18.समकालीन काव्ययात्रा, नंदकिशोर नवल, किताबघर, नई दिल्ली, संस्करण संस्करण 1984

सेमेस्टर : 3

(क) प्रयोजनमूलक हिंदी

पाठ्यक्रम संख्या :PGHND GE-3-1

इकाई : 1

- प्रयोजनमूलक हिंदी : स्वरूप और व्यवहार क्षेत्र, प्रशासकीय पत्राचार और उसके विविध रूप .

इकाई : 2

- अनुवाद : सिद्धांत एवं व्यवहार क्षेत्र, अनुवाद का स्वरूप, क्षेत्र, प्रक्रिया एवं प्रविधि, विज्ञान, तकनीकी तथा प्रौद्यिगिकी के क्षेत्र में अनुवाद.

इकाई : 3

- पारिभाषिक शब्दावली : सामान्य विशेषताएं एवं वर्गीकरण, महत्त्व, पारिभाषिक शब्दावली निर्धारण – समस्या और समाधान.

इकाई : 4.

- प्रशासकीय पत्राचार के विविध रूप : सामान्य कार्यालयी पत्र, कार्यालय ज्ञापन, कार्यालय आदेश, परिपत्र: अर्ध सरकारी, अर्ध शासकीय पत्र, अनौपचारिक, निर्शेष, टिप्पणी, अनुस्मारक पत्र |

सहायक ग्रन्थ

1. प्रयोजनमूलक हिंदी, विनोद गोदरे,वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
2. प्रयोजनमूलक हिंदी सिद्धांत और प्रयोग, दंगल झाल्टे, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
3. प्रयोजनमूलक हिंदी की नई भूमिका, कैलाशनाथ पाण्डेय, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
4. प्रयोजनमूलक हिंदी-विविध परिदृश्य, रमेशचन्द्र त्रिपाठी और पवन अग्रवाल, अलका प्रकाशन, नई दिल्ली
5. प्रयोजनमूलक हिंदी साहित्य और सरोकार, आशा मोहन, साहित्य सरोवर प्रकाशन, आगरा
6. प्रयोजनमूलक भाषा और कार्यालयी हिंदी, कलिंगा प्रकाशन, नई दिल्ली
7. प्रयोजनमूलक हिंदी और पत्रकारिता, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
8. प्रयोजनमूलक हिंदी विविध आयाम, अर्चना श्रीवास्तव, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी
9. प्रयोजनमूलक हिंदी, रवीन्द्र श्रीवास्तव, केन्द्रीय हिंदी संस्थान, आगरा
10. प्रयोजनमूलक हिंदी, विजयपाल सिंह, हिंदी बुक सेंटर, नई दिली
11. प्रयोजनमूलक हिंदी, रमेश तरुण, साहित्य मंदिर, नई दिल्ली

सेमेस्टर : 3

(ख)साहित्य और सिनेमा

पाठ्यक्रम संख्या- PGHND GE-3-1

इकाई : 1

साहित्य और सिनेमा का अंतर्संबंध.

इकाई : 2

साहित्यिक कृतियों पर बनी फिल्मों का समीक्षात्मक अध्ययन – तीसरी कसम, पिंजर, गोदान, शतरंज के खिलाड़ी, रजनीगंधा और सारा आकाश

इकाई : 3

साहित्यिकता का प्रश्न और हिंदी सिनेमा के गीत,, लोकगीत और सिनेमा के गीतों का अन्तर्सम्बन्ध .

इकाई : 4

पटकथा अर्थ एवं आयाम, कथा एवं पटकथा का स्वरूप और लेखन.

सहायक ग्रन्थ

1.भारतीय सिने सिद्धांत, अनुपम ओझा, राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली

2.लेखक का सिनेमा, कुंवर नारायण, सं.- गीत चतुर्वेदी, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली

3.सिनेमा के बारे में, जावेद अख्तर, नसरीन मुन्नी कबीर, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली

4.धुनों की यात्रा, पंकज राग, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली

5.कवि शैलेन्द्र: जिंदगी की जीत में यकीन, प्रहलाद अग्रवाल, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली

सेमेस्टर-4

नाटक एवं निबंध

पाठ्यक्रम संख्या : PGHND CC-4-11

इकाई : 1 नाटक

- स्कंदगुप्त - जयशंकर प्रसाद
- अंधा युग – धर्मवीर भरती
- आधे अधूरे – मोहन राकेश

इकाई : 2 निबंध : हजारी प्रसाद द्विवेदी (राधावल्लभ त्रिपाठी) वाणी प्रकाशन -चार- निबंध)

- अशोक के फूल
- भारतीय संस्कृति की देन
- साहित्कारों का दायित्व
- मनुष्य ही साहित्य का लक्ष्य है

इकाई : 3 निबंध : आचार्य रामचंद्र शुक्ल- चिंतामणि भाग-1, राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली (चार- निबंध)

- कविता क्या है ?
- श्रद्धा भक्ति
- लोभ और प्रीति
- क्रोध

सहायक ग्रन्थ

1.हिंदी नाटक, बच्चन सिंह, राजकमल प्रकशन, नई दिल्ली

2.हिंदी नाटक का आत्मसंघर्ष, गिरीश रस्तोगी, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद

3.रंग दर्शन, नेमिचंद्र जैन, राजकमल प्रकशन, नई दिल्ली

4.आधुनिक भारतीय नाट्य विमर्श, जयदेव तनेजा, राजकमल प्रकशन, नई दिल्ली

5.नाटककार जयशंकर प्रसाद, सत्येन्द्र कुमार तनेजा, राजकमल प्रकशन, नई दिल्ली

6.मोहन राकेश और उनके नाटक, गिरीश रस्तोगी, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली

7.समकालीन हिंदी नाटक, डॉ. पी ए शमीम अलियार, जवाहर पुस्तकालय, मथुरा

8.समकालीन हिंदी नाटक और रंगमंच, सं.- डॉ. नरेन्द्र मोहन, वाणी प्रकाशन, दिल्ली

सेमेस्टर : 4

हिंदी आलोचना

पाठ्यक्रम संख्या- PGHND CC-4-12

इकाई : 1 हिंदी आलोचना की पृष्ठभूमि : भारतेंदु और द्विवेदीयुगीन आलोचना

इकाई : 2 शुक्लयुगीन आलोचना (रामचंद्र शुक्ल, हजारीप्रसाद द्विवेदी और नन्द दुलारे वाजपेयी के विशेष सन्दर्भ में)

इकाई : 3 मार्क्सवादी आलोचना (रामविलास शर्मा, मुक्तिबोध और नामवर सिंह के विशेष सन्दर्भ में)

इकाई : 4 अज्ञेय और विजयदेव नारायण साही की आलोचना दृष्टि

सहायक ग्रन्थ

1. हिंदी आलोचना का विकास, मधुरेश, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
2. हिंदी आलोचना, विश्वनाथ त्रिपाठी, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
3. आधुनिकता और हिंदी आलोचना, इन्द्रनाथ मदान, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
4. हिंदी आलोचना का विकास, नन्द किशोर नवल, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
5. हजारी प्रसाद द्विवेदी: समग्र पुनरावलोकन, चौथीराम यादव, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
6. हिंदी आलोचना:शिखरों का साक्षात्कार, रामचंद्र तिवारी, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
7. साहित्य और आलोचक दृष्टि, रामस्वरूप चतुर्वेदी, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
8. हिंदी आलोचना: दृष्टि और प्रवृत्तियाँ, मनोज पाण्डेय, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
9. हिंदी आलोचना के बीजशब्द, बच्चन सिंह, वाणी प्रकाशन, दिल्ली
10. हिंदी आलोचना में कैनन निर्माण की प्रक्रिया, मृत्युंजय, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
11. हिंदी आलोचना के नये परिप्रेक्ष्य, मनोज पाण्डेय, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
12. आचार्य रामचंद्र शुक्ल और हिंदी आलोचना, रामविलास शर्मा, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली

सेमेस्टर : 4

(क) आधुनिक भारतीय साहित्य

पाठ्यक्रम संख्या – PGHND DCE-4-2

इकाई : 1 उपन्यास

- गोरा- रवीन्द्रनाथ ठाकुर (बांग्ला)
- संस्कार- यू आर अनन्तमूर्ति (कन्नड़)
- मढ़ी का दीवा- गुरुदयाल सिंह (पंजाबी)

इकाई : 2 नाटक

- घासीराम कोतवाल- विजय तेंदुलकर (मराठी)
- हयवदन- गिरीश कर्नाड (कन्नड़)
- पगला घोड़ा- बादल सरकार (बांग्ला)

इकाई : 3 आत्मकथा

- अक्कड़मासी- शरण कुमार लिम्बाले (मराठी)
- कागज़ी है पैरहन- इस्मत चुगताई (उर्दू)
- आलो आंधारी- बेबी हालदार (बांग्ला)

इकाई : 4 कविता

- के सच्चिदानंदन की चुनी हुई कविताएँ (मलयालम)
- सीताकांत महापात्र की चुनी हुई कविताएँ (उड़िया)
- शंख घोष की चुनी हुई कविताएँ (बांग्ला)

सहायक ग्रन्थ

1.गोरा- रवीन्द्रनाथ ठाकुर, साहित्य अकादमी, नई दिल्ली

2.संस्कार – यू आर अनन्तमूर्ति, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली

3.मढ़ी का दीवा- गुरुदयाल सिंह, आधार प्रकाशन, पंचकुला

4.घासीराम कोतवाल- विजय तेंदुलकर, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली

5.हयवदन, गिरीश कर्नाड, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली

6.पगला घोड़ा, बादल सरकार, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली

7.अक्कड़मासी, शरण कुमार लिम्बाले, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली

8.कागज़ी है पैरहन, इस्मत चुगताई, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली

9.आलो आंधारी, बेबी हालदार, रोशनी प्रकाशन, कोलकाता

10.प्रतिनिधि कविताएँ, के सच्चिदानंदन, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली

11.प्रतिनिधि कविताएँ, सीताकांत महापात्र, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली

12.प्रतिनिधि कविताएँ, शंख घोष, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली

13.भारतीय साहित्य की भूमिका, रामविलास शर्मा, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली

14.भारतीय साहित्य, सं- डॉ. नगेन्द्र, प्रभात प्रकाशन, दिल्ली

15.आत्मकथा की संस्कृति, पंकज चतुर्वेदी, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली

सेमेस्टर : 4

(ख) स्वातंत्र्योत्तर कथा साहित्य

पाठ्यक्रम संख्या – PGHND DCE-4-2

इकाई : 1 उपन्यास

- झूठा सच – यशपाल
- राग दरबारी- श्रीलाल शुक्ल
- मित्रो मरजानी – कृष्णा सोबती
- नौकर की कमीज़ – विनोद कुमार शुक्ल

इकाई : 2 कहानी

- मलबे का मालिक- मोहन राकेश
- जहाँ लक्ष्मी कैद है- राजेंद्र यादव
- कर्मनाशा की हार- शिवप्रसाद सिंह
- जिंदगी और जोंक – अमरकांत
- सम्बन्ध- ज्ञानरंजन
- कविता की नई तारीख – काशीनाथ सिंह
- अपराध – संजीव
- पाल गोमरा का स्कूटर – उदय प्रकाश
- तिरिया चरित्तर- शिवमूर्ति
- चिट्ठी- अखिलेश

सहायक ग्रन्थ

1. झूठा सच- यशपाल, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
2. राग दरबारी- श्रीलाल शुक्ल, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
3. मित्रो मरजानी – कृष्णा सोबती, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
4. नौकर की कमीज़, विनोद कुमार शुक्ल, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
5. एक दुनिया समानांतर, सं- राजेन्द्र यादव, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
6. उपन्यास : स्वरूप और संवेदना, राजेन्द्र यादव , राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली

7. आधुनिकता और हिंदी उपन्यास, इंद्रनाथ मदान, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
8. हिंदी उपन्यास का विकास : मधुरेश, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
9. श्रीलाल शुक्ल की दुनिया, सं.- अखिलेश, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
10. आज की कहानी , विजयमोहन सिंह, राधाकृष्ण, प्रकाशन, नई दिल्ली
11. हिंदी कहानी का विकास : मधुरेश, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
12. कथा समय ,विजयमोहन सिंह, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
13. कहानी : नयी कहानी, नामवर सिंह, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
14. अठारह उपन्यास, राजेन्द्र यादव राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
15. हिंदी उपन्यास का इतिहास , गोपाल राय, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
16. हिंदी कहानी का इतिहास, गोपाल राय, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
17. कहानी: वस्तु और अंतर्वस्तु, शम्भु गुप्त, लोकभारती प्रकाशन, नई दिल्ली
18. हिंदी कहानी प्रक्रिया और पाठ – सुरेन्द्र चौधरी

सेमेस्टर : 4

(ख) तुलनात्मक अध्ययन

पाठ्यक्रम संख्या : PGHND DCE-4-2

इकाई : 1 तुलनात्मक अध्ययन – स्वरूप, आवश्यकता एवं समस्याएं।

इकाई : 2 हिंदी, बांग्ला एवं नेपाली काव्य का तुलनात्मक अध्ययन– तुलसीदास (श्रीरामचरितमानस), कृत्तिवास (रामायण) एवं भानुभक्त (रामायण) के विशेष सन्दर्भ में।

इकाई : 3 हिंदी एवं बांग्ला कथा साहित्य का तुलनात्मक अध्ययन – शरतचंद्र और प्रेमचंद के विशेष सन्दर्भ में।

1. शेष प्रश्न (उपन्यास)- शरत चन्द्र
2. निर्मला (उपन्यास)- प्रेमचंद

सहायक ग्रन्थ

1. तुलनात्मक साहित्य की भूमिका, इन्द्रनाथ चौधरी, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, नई दिल्ली
2. तुलनात्मक साहित्य भारतीय परिप्रेक्ष, इन्द्रनाथ चौधरी, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
3. तुलनात्मक अध्ययन स्वरूप एवं समस्याएँ, राजकमल बोरा, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
4. तुलनात्मक अध्ययन: भारतीय भाषाएँ और साहित्य (सं), राजूरकर भ. ह. एवं बोरा, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
5. पूर्वांचलीय राम काव्य एवं नेपाली रामायण, डॉ. रमानाथ त्रिपाठी, अनिल प्रकाशन, दिल्ली
6. सांस्कृतिक अस्मिता के प्रतीक: तुलसी दास और भानुभक्त, डॉ. सत्यप्रकाश तिवारी, आनन्द प्रकाशन, कोलकाता
7. प्रेमचन्द, रामविलास शर्मा, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
8. प्रेमचंद और उनका युग, रामविलास शर्मा, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
9. प्रेमचन्द: एक साहित्यिक विवेचन, नन्द दुलारे वाजपेयी, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
10. कथाकार प्रेमचन्द, जाफर रज़ा, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली

सेमेस्टर : 4

(क) पत्रकारिता

पाठ्यक्रम संख्या : PGHND GE-4-2

इकाई : 1

- पत्रकारिता : स्वरूप एवं प्रकार
- हिंदी पत्रकारिता का संक्षिप्त इतिहास
- समाचार लेखन, सम्पादकीय लेखन कला तथा सम्पादन के आधारभूत तत्त्व ।

इकाई : 2

- मीडिया-जनसंचार :प्रौद्योगिकी एवं चुनौतियाँ
- विभिन्न संचार माध्यमों का स्वरूप और विशेषताएँ- मुद्रण, श्रव्य, दृश्य-श्रव्य, इंटरनेट
- श्रव्य माध्यम : रेडियो, दृश्य- श्रव्य माध्यम : फिल्म, टेलीविजन एवं वीडियो।

इकाई : 3

- सम्पादन कला तथा सम्पादन का उत्तरदायित्व
- शीर्षकीकरण तथा आमुख
- पत्रकारिता-प्रबंधन और वितरण

इकाई : 4

- जनतांत्रिक व्यवस्था में चौथे खम्भे के रूप में पत्रकारिकता का दायित्व
- प्रेस संबंधी प्रमुख कानून, आचार संहिता, प्रसार भारती

सहायक ग्रन्थ

1.पत्रकारिता : परिवेश और प्रवृत्तियाँ, पृथ्वीनाथ पाण्डेय, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद

2. आधुनिक पत्रकारिता, अर्जुन तिवारी, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी

3.हिंदी पत्रकारिता का वृहद् इतिहास, अर्जुन तिवारी, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली

4. हिंदी पत्रकारिता के इतिहास की भूमिका, जगदीश्वर चतुर्वेदी, अनामिका प्रकाशन, नई दिल्ली

5.हिंदी पत्रकारिता विविध आयाम, वेदप्रताप वैदिक, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, नई दिल्ली

6.जनसंचार विविध आयाम, गुप्त ब्रजमोहन, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली

7.जनमाध्यम : संप्रेषण और विकास, देवेद्र इस्सर, इन्द्रप्रस्त प्रकाशन, नई दिल्ली

8.हिंदी पत्रकारिता, कृष्ण बिहारी मिश्र, भारतीय ज्ञानपीठ, नई दिल्ली

9. पत्रकारिता के उत्तर आधुनिक चरण, कृपाशंकर चौबे, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली

10.समकालीन पत्रकारिता मूल्यांकन और मुद्दे, राजकिशोरे, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली

11. विज्ञान पत्रकारिता, मनोज पटैरिया, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली

12.साहित्यिक पत्रकारिता, ज्योतिष जोशी, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली

13. संचार माध्यम लेखन, गौरीशंकर रैणा, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली

14. हिंदी पत्रकारिता हमारी विरासत साम्यवादी लोकमान्य, शम्भुनाथ वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली

सेमेस्टर : 4

(ख)अनुवाद सिद्धांत

पाठ्यक्रम संख्या- PGHND GE-4-2

इकाई : 1

- अनुवाद का अर्थ, स्वरूप एवं प्रकृति
- अनुवाद कार्य की आवश्यकता एवं महत्व
- बहुभाषी समाज में परिवर्तन तथा बौद्धिक, सांस्कृतिक आदान-प्रदान में अनुवाद कार्य.

इकाई : 2

- अनुवाद के प्रकार – शब्दानुवाद, भावानुवाद, छायानुवाद एवं सारानुवाद
- अनुवाद की प्रक्रिया के चरण.

इकाई : 3

- सर्जनात्मक साहित्य के अनुवाद की अपेक्षाएं
- सर्जनात्मक साहित्य का अनुवाद और तकनीकी अनुवाद में अंतर
- गद्यानुवाद एवं काव्यानुवाद में अंतर

इकाई : 4

- कार्यालयी अनुवाद: राजभाषा नीति के अनुपालन में धारा 3(3) के अंतर्गत निर्धारित दस्तावेज का अनुवाद
- शासकीय पत्र / अर्धशासकीय पत्र / परिपत्र (सर्कुलर)/ ज्ञापन (प्रेजेंटेशन)
- कार्यालय आदेश / अधिसूचना / संकल्प-प्रस्ताव (रेजोल्यूशन), निविदा-संविदा .

सहायक ग्रन्थ

1. अनुवाद सिद्धान्त एवं प्रयोग, आदित्यनाथ सोनटक्के, चंद्रलोक प्रकाशन, नई दिल्ली

2. अनुवाद स्वरूप एवं आयाम, त्रिभुवन राय, अनिल प्रकाशन, इलाहाबाद
3. अनुवाद कला, भोलानाथ तिवारी, शब्दाकार प्रकाशन, नई दिल्ली
4. अनुवाद सिद्धांत और प्रयोग, गोपीनाथन, भारती ग्रन्थ निकेतन, नई दिल्ली
5. अनुवाद सिद्धांत की रूपरेखा, सुरेश कुमार, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
6. अनुवाद प्रक्रिया एवं परिदृश्य, सीताराणी, पालीवाल, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
7. अनुवाद सैधान्तिकी, प्रदीप सक्सेना, आधार प्रकाशन, पंचकुला
8. अनुवाद कला , एन. ई. विश्वनाथन अय्यर, प्रभात प्रकाशन, नई दिल्ली
9. अनुवाद भाषाएँ : समस्याएँ, एन. ई. विश्वनाथन अय्यर, ज्ञान गंगा, नई दिल्ली